





भुवनेश्वर में दुर्गा और लक्ष्मी पूजा के आयोजन के लिए गाउंड रेंट माफ

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने आगामी त्यौहारी मौसम को देखते हुए भुवनेश्वर नगर जिलाम (बीएनसी) क्षेत्र में दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा, काली पूजा, रावणा दहन, विघ्नहर्ता समारोह तथा इनसे जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने वाली पूजा समितियों को गाउंड रेंट माफ करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने यह निर्णय इन पर्वों के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व तथा त्यौहारी मौसम में आम लोगों के उत्साह को ध्यान में रखते हुए लिया है।

दैनिक

राष्ट्रीय



गरिमा

www.rashtriya garima.com

मोपाल, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

कानपुर में तेज रफ़्तार लोडर की टक्कर से गार्ड की मौत,चालक फरार

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर के गोविंद नगर थाना क्षेत्र के दाद नगर फैक्ट्री एरिया में बुधवार देर रात तेज रफ़्तार लोडर की टक्कर से पैदल घर लौट रहे गार्ड की मौत हो गई। हदसे के बाद चालक लोडर समेत मौके से भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मेजकर सीसेटीवी फुटेज के जरिए वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी। कारादेव थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर निवासी गंगाधारी (65) दाद नगर की एक फैक्ट्री में गार्ड थे।

# उत्तर प्रदेश मेरठ के खौफनाक ‘सांप कांड’ में पत्नी और प्रेमी दोषी करार

पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को 16 अक्टूबर को सजा सुनाएगी

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में ‘सांप कांड’ के नाम से चर्चित अमित हत्याकांड में अदालत ने अहम फैसला सुनाते हुए मृतक की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को हत्या का दोषी करार दिया है। अपर जिला जज (एडीजे) की अदालत ने दोनों आरोपियों को गिल्टी होल्ड करते हुए सजा के निर्धारण के लिए 16 अक्टूबर की तारीख तय की है। करीब 17 महीने पहले सामने आई इस खौफनाक वारदात ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था, जिसमें अवैध संबंधों के चलते पति को रास्ते से हटाने के लिए



बेहद शातिराना साजिश रची गई थी। वारदात 13 अप्रैल 2025 की सुबह सामने आई थी, जब अमित का शव उसके घर में बिस्तर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सनसनीखेज बात यह

थी कि अमित की लाश के नीचे एक जिंदा ‘घोड़ा पछाड़’ सांप दबा हुआ था और उसके शरीर पर सांप के डंसने के 10 गहरे निशान मौजूद थे। उस समय पत्नी रविता ने इसे कुदरती हादसा बताते हुए दावा किया था कि सोते समय सांप के काटने से उसके पति की जान चली गई। पहली नजर में मामला सर्पदंश से मौत का लग रहा था, लेकिन पुलिस और फॉरेंसिक टीम को कहानी पर शक हुआ और जब कड़ियों को जोड़ा गया तो एक रूढ़ कथा देने वाली साजिश का खुलासा हुआ। इस पूरे हत्याकांड का राज पोस्टमार्टम रिपोर्ट और डॉक्टरों की गवाही से खुला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि अमित की मौत सांप के जहर से नहीं, बल्कि

मुंह, नाक और गला दबाए जाने के कारण दम घुटने से हुई थी। कातिलों ने इस कदर बर्बरता से उसका गला दबाया था कि उसकी गर्दन की हड्डि और थायरॉइड कार्टिलेज की हड्डियां टूट चुकी थीं। मेडिकल रिपोर्ट से साफ हो गया कि हत्यारों ने पहले अमित की बेरहमी से हत्या की और उसके बाद मामले को सांप काटने का रंग देने के लिए जिंदा सांप से शव को कई जगह कटवाया और उसे लाश के नीचे दबा दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक अमित की पत्नी रविता के अमरदीप नाम के युवक के साथ प्रेम संबंध थे। दोनों अपने अवैध संबंधों को बेरोकटोक जारी रखना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने अमित को हमेशा के लिए रास्ते से

हटाने का षड्यंत्र रचा। शातिर कातिलों ने कानून और परिजनों की आंखों में धूल झाँकने के लिए अपराध को प्राकृतिक दुर्घटना का रूप देने की हर मुमकिन कोशिश की थी, लेकिन वैज्ञानिक और फॉरेंसिक साक्ष्यों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। अदालत में अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए मेडिकल साक्ष्यों, डॉक्टरों के बयानों और पुख्ता सबूतों के आधार पर एडीजे कोर्ट ने दोनों आरोपियों को हत्या का कसूरवार उहराया है। अब सभी की निगाहें 16 अक्टूबर पर टिकी हैं, जब अदालत इस जघन्य और सुनियोजित हत्याकांड के लिए दोषी पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप की सजा का ऐलान करेगी।

# टीबी मुक्त भारत का अभियान जनभागीदारी वाला जनआंदोलन बना : जेपी नड्डा

युवाओं की अगुवाई में टीबी उन्मूलन को मिलेगी नई रफ्तार, ‘जोश’ टीम में गठित

नई दिल्ली। देश को टीबी मुक्त बनाने के अभियान में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को भारत मंडपम में ज्वाइंट स्कॉड फॉर हेल्थ (जोश) टीमों की शुरुआत की। यह पहल टीबी की रोकथाम, समय पर जांच और इलाज के साथ बीमारी से जुड़े भेदभाव और भ्रांतियों को दूर करने के लिए युवाओं को समुदायों से सीधे जोड़ने पर केंद्रित है। नड्डा ने गुरुवार को भारत मंडपम में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी मुक्त भारत का अभियान अब केवल सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी वाला जनआंदोलन बन रहा है। टीबी उन्मूलन का लक्ष्य केवल सरकारी प्रयासों से हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए समुदाय, जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्यकर्मी, स्वयंसेवक और खासकर देश के युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जोश टीमों केवल जागरूकता फैलाने तक सीमित नहीं रहेंगी,



बल्कि लोगों से संवाद करेंगी, उनकी आशकाओं को दूर करेंगी और लक्षण वाले लोगों को समय पर जांच और इलाज के लिए प्रेरित करेंगी। जागरूकता और स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं होती। टीबी मरीज की पहचान, इलाज शुरू करने और इलाज पूरा होने तक उसका साथ देना भी जरूरी है। स्वास्थ्य मंत्री ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की नवीनतम रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत में टीबी की घटनाओं में 21 फीसदी की कमी आई है, जबकि वैश्विक

स्तर पर यह कमी 12 फीसदी रही है। भारत में टीबी उपचार कवरेज बढ़कर 92 फीसदी हो गया है, जबकि वैश्विक उपचार कवरेज 78 फीसदी है। इन उपलब्धियों के बावजूद अभियान में किसी तरह की ढिलाई की गुंजाइश नहीं है और हर टीबी मरीज की समय पर पहचान, इलाज और उपचार पूरा कराने पर जोर देना होगा। नड्डा ने टीबी की जांच और निदान को आसान बनाने में तकनीक की भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों के साथ एआई आधारित

तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा रैपिड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक तकनीकों से टीबी की पुष्टि और दवा प्रतिरोध की पहचान जल्द की जा सकती है। कार्यक्रम में 697 जिलों की 67,933 पंचायतों को वर्ष 2026 में टीबी मुक्त पंचायत के रूप में सम्मानित किया गया। नड्डा ने इसे स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी और पंचायतों के नेतृत्व का परिणाम बताया। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स और माई भारत स्वयंसेवकों से टीबी मुक्त भारत अभियान का दूत बनने और घर-घर तक रोकथाम, समय पर जांच, इलाज पूरा करने तथा टीबी से जुड़े कलंक को खत्म करने का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। जोश टीमों की शुरुआत पहले चरण में 11 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 55 जिलों में की गई है। देश के सभी 804 जिलों ने कार्यक्रम में वचुअल भागीदारी की। आने वाले समय में बाकी जिलों में भी टीमों का गठन और प्रशिक्षण कर इस पहल का विस्तार किया जाएगा। हर जोश टीम में पांच माई भारत स्वयंसेवक और पांच एनसीसी कैडेट होंगे।

# विपक्षी दलों का यह विरोध नहीं, बल्कि अराजकता का मॉडल है : भाजपा

कांग्रेस के प्रदर्शन पर भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव ने विपक्ष पर आरोप लगाया

नई दिल्ली। कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित दुर्व्यवहार और हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान महिला पुलिसकर्मियों की वर्दी तक फाड़ दी गई और पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की गई। यह लोकतांत्रिक विरोध नहीं, बल्कि अराजकता का मॉडल है। पत्रकारवाता में सिद्धार्थ यादव ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में कांग्रेस के कार्यकर्ता शराब के नशे में शामिल थे। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में लगे पुलिसकर्मियों के साथ इस तरह का व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा



निराशा या हताशा की राजनीति नहीं करती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ाया है और भाजपा का एजेंडा विकसित भारत 2047 है। इसके विपरीत कांग्रेस की कार्यशैली और संस्कृति कल देश के सामने उजागर हुई है, जिसका जवाब कांग्रेस को देना चाहिए। भाजपा नेता ने गुरुवार को कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस के चेहरे पर पड़ा नकाब उतर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल

गांधी जिस तरह की राजनीति और मॉडल को आगे बढ़ाना चाहते हैं, उसकी झलक राजधानी में देखने को मिली। उन्होंने सवाल किया कि संविधान की दुहाई देने वाले लोग उसके मूल्यों का पालन कब करेंगे। सिद्धार्थ यादव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जहां भोजन करने पहुंचे, वहां एक कश्मीरी मुस्लिम युवक के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मारपीट की। उन्होंने कहा कि जब देश की राजधानी में कांग्रेस कार्यकर्ता हिंसा में शामिल हों तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यही लोकतंत्र है। उन्होंने प्रदर्शन की तस्वीरों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वर्दी में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ बर्बरता की। उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों के साथ कथित दुर्व्यवहार का भी मुद्दा उठाया। प्रियंका गांधी पर भी महिला पुलिसकर्मी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया।

# सीजेपी प्रवक्ता के उकसावे के प्रयास को शशि थरुर ने चतुराई से किया विफल



सौरव ने पीएम मोदी के खिलाफ एक पुराने बयान को दोहराने की कोशिश की थी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने कॉंकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास द्वारा उकसावे के प्रयास को विफल कर दिया है। सौरव दास ने पीएम मोदी के खिलाफ शशि थरुर के एक पुराने और विवादास्पद बयान को दोहराने की कोशिश की थी, लेकिन थरुर ने खुद को विवाद से दूर रखा। यह घटना तब हुई जब पीएम मोदी ने अपने निर्बाध 25 साल पूरे होने के अवसर पर नई दिल्ली स्थित श्री विनायक मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। सौरव दास ने पीएम मोदी के शिवलिंग पर जल चढ़ाते और प्रार्थना करते हुए वीडियो को एक्स पर साझा किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने शशि थरुर की शब्दावली की तर्ज पर विल्ट और भारी-भरकम अंग्रेजी का इस्तेमाल करते हुए लिखा- मैं इसे देखकर डॉ.थरुर को एक जबरदस्त टिप्पणी की याद में खो गया। सर, क्या

आपकी वाकमटुटा पर बिना कोई अनुचित दबाव डाले,उस अनिर्वचनीय और आनंददायक टिप्पणी को दोहराने का आग्रह किया जा सकता है? सौरव दास का इशारा थरुर के साल 2018 के उस चर्चित बयान की ओर था, जिसे लेकर उन पर आपराधिक मानहानि का मुकदमा भी दर्ज हुआ था। सांसद शशि थरुर ने सौरव दास के इस उकसावे वाले ट्वीट का जवाब बेहद सादगी और चतुराई से दिया। उन्होंने सीधे किसी भी पुराने बयान का जिक्र करने से इनकार कर दिया और लिखा-अगर मुझे जरा सा भी अंदाजा होता कि आप किस ओर इशारा कर रहे हैं, तो मुझे बिल्कुल ऐतराज नहीं होता। कृपया मेरा मार्गदर्शन करें। थरुर के इस एक वाक्य के जवाब ने सीजेपी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इस उकसावे को हवा नहीं मिलने दी। बता दें कांग्रेस नेता शशि थरुर ने साल 2018 में आरएसएस के एक कार्यकर्ता का हवाला देते हुए कहा था कि मोदी शिवलिंग पर बैठे उस बिच्छू की तरह हैं, जिसे न तो हाथ से हटया जा सकता है और न ही चप्पल से मारा जा सकता है। इस टिप्पणी पर बीजेपी नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में खूब हंगामा हुआ था। उस समय थरुर पर आपराधिक मानहानि का मामला भी दर्ज किया गया था। इस बार थरुर ने अपने जवाब से न केवल अपनी बुद्धि का प्रदर्शन किया, बल्कि अनावश्यक विवाद से भी खुद को बचा लिया। वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के बीच आम आदमी पार्टी के मटियामहल से विधायक आले मोहम्मद इकबाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को खुलकर तारीफ की है।

# कैदियों से घरेलू काम कराने की आरोपी निलंबित जेलर दित्या गिरफ्तार

जयपुर। अजमेर के महिला बंदी सुधार गृह से दो महिला कैदियों को कथित तौर पर नियमों के विरुद्ध जेल से बाहर निकालकर निजी आवास पर ले जाने और उनसे घरेलू काम कराने के मामले में निलंबित जेलर दित्या चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब दो महीने से फरार चल रही चौधरी को कोटा से गिरफ्तार किया गया। अदालत में पेश किए जाने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्हें अजमेर केंद्रीय जेल में रखा गया है। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अगरवाला ने मीडिया को बताया, दित्या चौधरी पर पद का दुरुपयोग करने और सहयोगियों के साथ मिलकर जेल सुरक्षाकर्मियों को डराने-धमकाने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 12 जुलाई 2026 को तत्कालीन प्रभारी जेलर दित्या चौधरी ने महिला प्रहरी सोनिया चौधरी के साथ मिलकर कथित साजिश रची। आरोप है कि दोनों ने महिला बंदी सुधार गृह के मुख्य द्वार पर तैनात कर्मचारियों को डराया-धमकाया और आजीवन कारावास की सजा काट रही किरण उर्फ सेठा तथा विचाराधीन बंदी सफा को जेल से बाहर निकाल लिया।

# BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM



# मानसिक तनाव अक्सर शारीरिक स्ट्रेस और एंगजायटी की वजह बन सकती है टॉक्सिक पॉजिटिविटी



अक्सर हमें लगता है कि हम एक मशीन की तरह चलते रह सकते हैं, लेकिन हमारा दिमाग और शरीर अलग तरह से काम करते हैं। कई बार हम थकान को नजरअंदाज कर देते हैं क्योंकि हमें लगता है कि अभी बहुत काम बाकी है। लेकिन बर्नआउट अचानक नहीं होता। यह धीरे-धीरे उन संकेतों के रूप में आता है जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

- जब दिमाग साथ देना छोड़ दे
- जब आपका दिमाग ज्यादा थक जाता है, तो इसका सबसे पहला असर आपको सोचने की क्षमता पर पड़ता है। अगर आपको छोटे-छोटे फैसले लेने में भी भारी मानसिक दबाव महसूस हो रहा है, तो यह डिसीजन फटीग का संकेत है।
  - वहीं अगर आपके लिए काम पर फोकस करना मुश्किल हो रहा है या एक ही पैराग्राफ को बार-बार पढ़ना यह दिखाता है कि आपका कॉग्निटिव लोड अपनी सीमा पार कर चुका है।
  - साथ ही, छोटी-छोटी बातें भूलना इस बात का संकेत है कि आपका दिमाग

जानकारियों को बहुत धीमी गति से प्रोसेस कर रहा है।

- व्यवहार में बदलाव
- जब हम मानसिक रूप से थक जाते हैं, तो हमारी भावनाओं पर हमारा नियंत्रण कम होने लगता है। अगर आप बात-बात पर चिड़चिड़ा महसूस कर रहे हैं या बिना किसी कारण के आपको गुस्सा आ रहा है, तो यह मानसिक थकान का एक बड़ा लक्षण है।
  - साथ ही, अपनी पसंदीदा हॉबीज या लोगों से दूरी बनाना भी मानसिक थकान का एक संकेत है।
  - अगर आपको लग रहा है कि आपको किसी भी नई काम से खुशी नहीं मिल रही या आप बस दिन काट रहे हैं, तो आपका दिमाग खुद को बचाने के लिए भावनाओं को सुन कर रहा है।

- शारीरिक संकेत
- दिमाग और शरीर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। मानसिक तनाव अक्सर शारीरिक दर्द

- के रूप में बाहर आता है, जैसे बिना किसी कारण सिरदर्द होना, गर्दन या कंधों में खिंचाव महसूस करना।
- शारीरिक रूप से थके होने के बावजूद अगर नींद नहीं आ रही है या रात भर कुछ सोचते रहते हैं, तो यह भी बताता है कि आपको ब्रेक की जरूरत है।
  - तनाव आपकी इम्युनिटी को कमजोर कर देता है, जिससे आपको सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं जल्दी होने लगती हैं।

ब्रेक लेना कमजोरी नहीं, जरूरत है

आराम करना काम से बचना नहीं है, बल्कि यह एक रेगुलेटरी फक्शन है। जिस तरह एक एथलीट को अपनी मांसपेशियों को रिकवर करने के लिए आराम की जरूरत होती है, उसी तरह हमारे न्यूरोन्स को भी रिचार्ज होने की जरूरत होती है। इसलिए अगर आपको खुद में ऐसे कोई भी संकेत नजर आ रहे हैं, तो बेझिझक ब्रेक लीजिए और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह भी ले सकते हैं।

आजकल सोशल मीडिया पर आपने कई ऐसे पोस्ट देखे होंगे, जिसमें आपसे कहा जाता है कि हमेशा अच्छा सोचो, पॉजिटिव सोचो। सुनने में यह काफी मोटिवेटिंग लगता है। लेकिन जब हम हर बात में सिर्फ पॉजिटिव पहलुओं पर ध्यान देना शुरू कर देते हैं और उससे जुड़ी नेगेटिव बातों को अनदेखा करना शुरू कर देते हैं, तो उसे टॉक्सिक पॉजिटिविटी कहा जाता है।

व्या है पॉजिटिव टॉक्सिसिटी?

पॉजिटिव टॉक्सिसिटी का मतलब है कि इंसान को चाहे कितनी भी बड़ी समस्या क्यों न हो, उसे हमेशा खुश रहना चाहिए और केवल पॉजिटिव पॉइंट ऑफ व्यू ही रखना चाहिए। यह उदासी, गुस्सा, डर या हताशा जैसे ह्यूमन इमोशन्स को पूरी तरह से नकार देती है। दरअसल, जब हम सिर्फ पॉजिटिव बातों पर ही ध्यान देना शुरू कर देते हैं, तो अनजाने में हम अपने दर्द और तकलीफ को इनवैलिडेट कर देते हैं। इसके कारण हमारे अंदर दबी भावनाएं बाहर नहीं निकल पातीं और इसका असर हमारी मेंटल

हेल्थ पर भी दिखाई देता है।

यह आपकी मेंटल हेल्थ को कैसे प्रभावित करती है?

- भावनाओं को दबाना- जब हम अपनी सच्ची भावनाओं को स्वीकार नहीं करते, तो वे खत्म नहीं होतीं, बल्कि अंदर ही अंदर जमा होने लगती हैं। भावनाओं को दबाने से तनाव बढ़ता है और एंगजायटी या डिप्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।
- गिल्ट और शर्म की भावना- अगर आप किसी बुरे दौर से गुजर रहे हैं और हर तरफ से आपको पॉजिटिव रहने की सलाह मिल रही है, तो आप खुद को ही दोषी मानने लगते हैं। आपको लगता है कि शायद आप ही कमजोर हैं जो पॉजिटिव नहीं रह पा रहे।
- कनेक्शन में कमी- जब हम अपनी तकलीफें शेयर नहीं करते, तो हमारे रिश्ते सतही हो जाते हैं। हम दूसरों के सामने एक परफेक्ट इमेज बनाए रखने के चक्कर में अकेले पड़ जाते हैं।

- समस्या का समाधान न होना- दुख या डर हमें संकेत देते हैं कि कुछ गलत है जिसे ठीक करने की जरूरत है। अगर हम जबरन मुस्कराते रहेंगे, तो हम समस्या के मूल कारण तक कभी नहीं पहुंच पाएंगे। इससे कैसे बचें?
- हर भावना को स्वीकारें- यह समझना जरूरी है कि उदास होना, गुस्सा करना या असफल महसूस करना सामान्य है। ये भावनाएं आपको कमजोर नहीं, बल्कि ईसान बनाती हैं।
- सोशल मीडिया से दूरी- सोशल मीडिया की परफेक्ट लाइफ वाली दुनिया से प्रभावित न हों। वह केवल एक पहलू है, पूरी सच्चाई नहीं।
- रियलिस्टिक बनें- जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। हर समय खुश रहना संभव नहीं है।
- सुनना सीखें- अगर कोई अपना दुख बता रहा है, तो उसे तुरंत पॉजिटिव सलाह देने के बजाय बस उसे सुनें।



## ओवरथिंकिंग के दलदल में फंस जाता है दिमाग?



आप ऐसे लोगों को जानते होंगे, जो हर छोटी-छोटी बात के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचने लगते हैं। हो सकता है कि आप खुद भी ऐसा करते हो। इसे ओवरथिंकिंग कहते हैं, जो एक दलदल की तरह है। जब हम ओवरथिंक करते हैं, तब हमारा दिमाग परेशानी का हल ढूँढ़ने के बजाय उसमें और ज्यादा फंसेने लगता है। दरअसल, हर बात पर ओवरथिंक करना सिर्फ एक आदत नहीं है, बल्कि यह एक साइकोलॉजिकल कंडीशन है। आइए डॉक्टर से समझते हैं कि क्यों यह जानते हुए भी कि ओवरथिंकिंग फायदेमंद नहीं है, फिर भी हम इस जाल में फंस जाते हैं।

क्यों करते हैं ओवरथिंकिंग?

ओवरथिंकिंग अक्सर एंगजायटी रेगुलेशन और दिमाग के खतरा पहचानने वाले सिस्टम से जुड़ी होती है। ओवरथिंकिंग के दौरान हमारे दिमाग के एमिंगडाला, जो डर महसूस करवाता है और फ्री-फ्रंटल कॉर्टेक्स, जो लॉजिकल थिंकिंग करता है, के बीच तालमेल नहीं बैठ पाता है। इसके कारण हमारा दिमाग

परेशानी का लॉजिकल सॉल्यूशन नहीं निकाल पाता।

- ओवरथिंकिंग के कारण क्या हैं?
- अनिश्चितता का डर- इंसानी दिमाग को कंट्रोल पसंद है। जब परिस्थितियाँ अनिश्चित होती हैं, तो हमारा दिमाग भविष्य की नेगेटिव घटनाओं का अनुमान लगाने के लिए हाइपर-ड्राइव में चला जाता है। हमें लगता है कि अगर हम हर संभव परिणाम के बारे में सोच लेंगे, तो हम सुरक्षित रहेंगे, लेकिन असल में यह केवल मानसिक थकान पैदा करता है।
  - एक ही बात के लूप में फंसना- ओवरथिंकिंग का एक मुख्य हिस्सा है रूमिनेशन। यह वह स्थिति है जब व्यक्ति एक ही बात को बार-बार दोहराता रहता है। जैसे अतीत की घटना से जुड़ा पछतावा और बार-बार सोचना कि मुझे ऐसा नहीं, बल्कि वैसा करना चाहिए। या भविष्य की चिंता में फंसना कि अगर ऐसा हो गया, तो क्या होगा। यह एक साइकिल की तरह महसूस होता है जहाँ दिमाग लूप को बंद नहीं कर पाता।
  - कॉन्ट्रिब्यूटिंग सेंसिटिविटी- कुछ लोग दूसरों की तुलना में ज्यादा संवेदनशील होते हैं। वे हर जानकारी को गहराई से प्रोसेस करते हैं। जहाँ एक आम व्यक्ति किसी बात को नजरअंदाज कर देता है, वहीं एक ओवरथिंकर उसके पीछे के छिपे हुए मतलबों को खोजने की कोशिश करता है। इसे हाइपेंटेड कॉग्निटिव सेंसिटिविटी कहा जाता है।

क्या ओवरथिंकिंग को रोका जा सकता है?

ओवरथिंकिंग को पूरी तरह नहीं रोका जा सकता है, लेकिन मैनेज जरूर किया जा सकता है।

- जागरूकता- सबसे पहले यह पहचानें कि आप कब अनप्रोडक्टिव थिंकिंग लूप में फंस रहे हैं।
- डिसइंगेजमेंट- हर बात पर रिएक्ट करने की जरूरत नहीं है और कोशिश करें कि हर बात के पीछे छिपे मतलब ढूँढ़ने की कोशिश न करें।

## आप सच में खुश रहना चाहते हैं, तो इन 5 तरह के लोगों से दूरी बनाए

हम सभी अपनी जिंदगी में खुश रहना चाहते हैं। खुशी के लिए हम पैसे कमाते हैं, घूमने जाते हैं और अपनी पसंद की चीजें खरीदते हैं, लेकिन कई बार सब कुछ होने के बावजूद हम अंदर से खुश महसूस नहीं करते। क्या आपने कभी सोचा है ऐसा क्यों होता है? इसकी एक बड़ी वजह वो लोग हो सकते हैं जिनके साथ हम अपना दिन बिताते हैं। हमारे आस-पास कुछ ऐसे %टॉक्सिक% लोग होते हैं जो दीमक की तरह चुपचाप हमारी मानसिक शांति और खुशी को चाट जाते हैं। अगर आप सच में खुश रहना चाहते हैं, तो इस हैप्पीनेस डे पर खुद से एक वादा करें और इन 5 तरह के लोगों से तुरंत दूरी बना लें।

हमेशा रोने और शिकायत करने वाले लोग

ये वो लोग हैं जिन्हें जिंदगी में कभी कुछ अच्छा नजर नहीं आता। अगर मौसम अच्छा है, तो ये गर्मी की शिकायत करेंगे। अगर इन्हें कोई अच्छी जाँब मिल जाए, तो ये बाँस की बुराई करेंगे। इनका नजरिया इतना नेगेटिव होता है कि इनके साथ बैठकर आपका मूड भी खराब हो जाता है। ऐसे लोग आपकी पॉजिटिव एनर्जी को सोख लेते हैं। इनसे दूरी बनाने में ही आपकी भलाई है।

सिर्फ अपना मतलब निकालने वाले लोग

अरे यार, बहुत दिन हो गए मिले हुए, चलो मिलते हैं। वैसे मुझे तुमसे एक छोटा-



सा काम भी था... क्या आपके सर्कल में भी ऐसे लोग हैं? ये वो लोग हैं जो आपको सिर्फ तब याद करते हैं जब उन्हें आपसे कोई मदद चाहिए होती है या कोई काम निकालना होता है। काम पूरा होते ही ये गायब हो जाते हैं। ऐसे स्वार्थी लोग आपके सच्चे दोस्त कभी नहीं हो सकते।

दूसरों की गुलली करने वाले

जो इंसान आपके साथ बैठकर मजे लेकर दूसरों की बुराई कर रहा है, इस बात की 100% गारंटी है कि वो दूसरों के सामने आपकी भी बुराई करता होगा। ऐसे लोगों का कोई ईमान नहीं होता। ये लोग सिर्फ

मनगढ़ृत बातें बनाकर रिश्ते खराब करने का काम करते हैं। अपनी मानसिक शांति के लिए ऐसे लोगों से दो कदम दूर हो रहें।

आपकी तरकी और खुशी से जलने वाले

सच्चा दोस्त वो है जो आपकी खुशी में ताली बजाए, लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो आपके मुँह पर तो मोटे बनते हैं, लेकिन आपको तरकी देखकर अंदर ही अंदर जलते हैं। आप कोई नई गाड़ी लें या आपका प्रमोशन हो जाए, ये आपको बधाई तो देंगे लेकिन इनकी आँखों और बातों में आपको एक अजीब-सी जलन साफ नजर आएगी। ऐसे ईर्ष्यालु लोग कभी आपका

भला नहीं चाह सकते।

आपको हमेशा नीचा दिखाने वाले

ये तुमसे नहीं हो पाएगा, ये रिस्क मत लो, तुम फेल हो जाओगे, तुम्हारे बस की बात नहीं है। ये लोग आपके सपनों और हीसलों के सबसे बड़े दुश्मन होते हैं। आप जब भी कुछ नया और अच्छा करने की सोचेंगे, ये अपनी बातों से आपको डरा देंगे और आपका आत्मविश्वास तोड़ देंगे। खुद पर भरोसा रखें और ऐसे लोगों की बातों को एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल दें।

# बॉक्स ऑफिस पर द वन ने मंडे टेस्ट भी किया पास, बनी सिद्धार्थ की 7वीं सबसे बड़ी फिल्म

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत लोककथाओं पर आधारित फंतासी रोमांचक फिल्म 'द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' ने शुरुआती सप्ताहांत में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले तीन दिनों में 30 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया। हालाँकि, रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने सोमवार को 5.25 करोड़ रुपये की कमाई की।फिल्म ने पहले दिन 8 करोड़ रुपये से शुरुआत की थी। दूसरे दिन इसकी कमाई 11.25 करोड़ रुपये रही, जबकि तीसरे दिन फिल्म ने 14.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके बाद चौथे दिन 5.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ भारत में फिल्म का चार दिनों का कुल शुद्ध कारोबार 38.85 करोड़ रुपये हो गया है।('द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' को भारतीय लोककथाओं, भक्ति, कारवाँव और अलौकिक घटनाओं के मिश्रण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। फिल्म की कहानी

पटना के पास बिहटा स्थित वन देवी मंदिर से जुड़ी लोककथा से प्रेरित बताई गई है। निर्माताओं ने इसे पौराणिक कथाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित मुख्यधारा की मनोरंजक फिल्म के रूप में पेश किया है। बिहार के अलावा दिल्ली-एनसीआर और कई अन्य राज्यों में फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिला। हालाँकि सप्ताहांत के बाद सोमवार को इसकी कमाई की रफ्तार कुछ धीमी हुई है।पहले सोमवार को 5.25 करोड़ रुपये का कारोबार करने के साथ 'द वन' सिद्धार्थ मल्होत्रा के करियर की भारतीय बॉक्स ऑफिस पर प्रमुख फिल्मों में शामिल हो गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने 'हंसी तो फंसी' के 37.36 करोड़ रुपये के जीवनकाल कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। चार दिनों में 38.85 करोड़ रुपये के शुद्ध कारोबार के साथ फिल्म को कमाई में आगे भी बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है।इसी बीच अली फजल, दिव्येंद्र, रसिका दुग्गल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत 'मिर्जापुर द मूवी' सिनेमाघरों में चौथे सप्ताह में पहुंच गई है। फिल्म ने 25.75 करोड़ रुपये के साथ

शुरुआत की थी और 24वें दिन 1.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया। शुरुआती कारोबार के आंकड़ों के अनुसार, रिलीज के 25वें दिन यानी चौथे सोमवार को फिल्म ने 60 लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ भारत में 25 दिनों का फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार 227.65 करोड़ रुपये हो गया है। दूसरी ओर, 'हनुमान अंश' का सिनेमाघरों में लंबा सफर जारी है। फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म ने अपने 52वें दिन यानी आठवें रविवार को 9 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया था। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 53वें दिन यानी आठवें सोमवार को 'हनुमान अंश' ने 2.35 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ भारत में फिल्म का 53 दिनों का कुल शुद्ध कारोबार बढ़कर 309.38 करोड़ रुपये हो गया है। 'द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में सिद्धार्थ मल्होत्रा, तमन्ना भाटिया, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी, अनूप सोनी, मनीष पॉल, अवतार गिल, मिलिंद गुणाजी, सुभा आर्य, दुर्रेश कुमार, संदीप वेद और अशान सहरावत प्रमुख भूमिकाओं में हैं।



फिल्म का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा और अरुणाभ कुमार ने किया है। यह कारवाँव, रोमांच, फंतासी, रहस्य और रोमांचक कथा पर आधारित फिल्म है। इसका निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स, टीवीएफ मोशन पिक्चर्स और

11:11 प्रोडक्शंस ने किया है। 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म की कहानी भारतीय लोककथाओं और पौराणिक संदर्भों के जरिए रहस्य और रोमांच को सामने लाती है।



# बलूच लड़ाकों ने ग्वादर पोर्ट जा रहे कार्गो काफिले पर हमला कर ट्रेलरों को जलाया

**झयवर को किया अगवा, वारदात में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की नाकामी सामने आई**

क्रेटा। बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना के साथ-साथ चीन के हितों को भी सीधे निशाना बनाया है। तुर्बत जिले के पास नासिराबाद इलाके में हथियारों से लैस बलूच विद्रोहियों ने ग्वादर पोर्ट की तरफ जा रहे एक बड़े कार्गो काफिले पर हमला कर दिया। भारी गोलीबारी करते हुए हमलावरों ने वाहनों को जबरन रोका, चालकों को बंदूक की नोक पर बाहर निकाला और फिर सामान से लदे दो बड़े हैवी ट्रेलरों को आग के हवाले कर दिया। इस भीषण हमले में हमलावरों ने एक ड्राइवर का अपहरण भी कर लिया और सुरक्षा बलों के पहुंचने से पहले ही वे आसपास को दुर्गम पहाड़ियों में गायब हो गए। आग इतनी भयासक थी कि ग्वादर बंदरगाह के लिए भेजा जा रहा कीमती सामान जलकर पूरी तरह राख



हो गया। यह हमला एक बार फिर साबित करता है कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की रीढ़ माने जाने वाले ग्वादर प्रोजेक्ट पर बलूच विद्रोहियों का खौफ किस

कदर हावी है और अब पाकिस्तान के साथ-साथ सीधे चीन के निवेश और हितों को भी निशाना बनाया जा रहा है। इस वारदात की सबसे चौंकाने वाली बात पाकिस्तानी सुरक्षा

बलों की नाकामी रही। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जब हमलावर कार्गो गाड़ियों पर गोलियां बरसा रहे थे और ट्रकों को फूंक रहे थे, उस दौरान पाकिस्तानी सेना या पुलिस का कोई भी जवान मौके पर नहीं पहुंचा। जब तक सुरक्षा बल पहुंचे, तब तक हमलावर ड्राइवर को अगवा कर आराम से फरार हो चुके थे। घटना के बाद अब सेना और फ्रंटियर कोर ने पूरे इलाके की घेराबंदी करके आसपास के पहाड़ी इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है ताकि अगवा किए गए ड्राइवर को सुरक्षित वापस लाया जा सके। लॉजिस्टिक्स पर यह हमला इस बात का साफ संकेत है कि बलूच उग्रवादियों ने अब अपनी रणनीति पूरी तरह बदल ली है। वे केवल सुरक्षा बलों की चौकियों पर ही हमले नहीं कर रहे, बल्कि ग्वादर को पूरे पाकिस्तान से जोड़ने वाले आर्थिक और व्यापारिक रास्तों को तबाह कर रहे हैं। जब

ग्वादर जाने वाले सामान से लदे ट्रेलरों को इस तरह सरेआम जलाया जाएगा और ड्राइवरों का अपहरण किया जाएगा, तो कोई भी निजी ट्रांसपोर्ट कंपनी या ड्राइवर इस रूट पर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा। इसका सीधा असर ग्वादर पोर्ट के वाणिज्यिक ऑपरेशन्स पर पड़ेगा और चीन द्वारा अबकों डॉलर के निवेश से बनाया जा रहा यह ड्रीम प्रोजेक्ट कागजों तक ही सीमित रह जाएगा। बलूचिस्तान में लगातार हो रहे इन हमलों से बीजिंग में बैठे चीनी राष्ट्रपति शी जिन्पिंग और चीनी कम्प्युनिस्ट पार्टी के आलाा अधिकारी नाराज हैं। चीन कई बार पाकिस्तान से अपने प्रोजेक्ट्स और अपने नागरिकों को पुख्ता सुरक्षा देने की मांग कर चुका है।] लेकिन पाकिस्तान सरकार की आर्थिक तंगी और कमजोर सैन्य खुफिया तंत्र के कारण बलूचिस्तान में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है।

## यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी कोई विचार नहीं, पूरा ध्यान युद्ध खत्म करने पर

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस में चल रहे छत्र विरोध प्रदर्शनों के लिए बड़े पैमाने पर प्रवास और इस्लाम को सीधे तौर पर जिम्मेदार उधरया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विथ सोशल पर एक पोस्ट लिखी, जिसमें साफ कहा कि यह आंदोलन स्कूलों की समस्या को लेकर नहीं है, बल्कि एक बड़े राजनीतिक और सांस्कृतिक बदलाव की कोशिश है, जिसे उन्होंने इस्लाम द्वारा एक समय के महान देश पर कब्जा करने की संज्ञा दी। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका में अगले महीने मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं, और उनके राजनीतिक आंदोलन के सदस्य लगातार यूरोप की सामाजिक-राजनीतिक समस्याओं को प्रवास से जोड़ते हुए सीमा सुरक्षा और प्रवास नियंत्रण को सख्त करने की बात दोहराते रहे हैं। पूर्व कमेंटेटर ग्लेन बेक ने भी इससे पहले कहा था कि फ्रांस में हो रही अशांति बाकी पश्चिमी देशों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी है। हालांकि, फ्रांस में इन प्रदर्शनों की

शुरुआत स्कूलों की बिगड़ती हालत को लेकर हुई थी। छात्रों और उनके संगठनों का आरोप है कि शिक्षकों की भारी कमी है, कक्षाओं में छात्रों की संख्या बहुत अधिक है, स्कूल की इमारतें जर्जर हो रही हैं और कई जगहों पर स्कूल का दिन बहुत लंबा हो गया है। उन्होंने नर्सों और अन्य सहयोगी कर्मचारियों की कमी पर भी चिंता जताई है, उनका दावा है कि शिक्षा पर खर्च कम होने और पर्याप्त संसाधन न मिलने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ये विरोध प्रदर्शन 17 सितंबर को पेरिस के उपनगर क्रेतेइल से शुरू हुए और तेजी से देश के दूसरे हिस्सों में फैल गए। मार्सिले, ल्योन, लिल, स्ट्रासबर्ग और टर्स समेत कई बड़े शहरों में छात्र सड़कों पर उतरे। कई स्कूलों में तालाबंदी की गई और कक्षाएं बाधित रहीं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से शिक्षकों की भर्ती बढ़ाने, कक्षाओं में भीड़ कम करने और स्कूलों की मरम्मत के लिए अधिक धन आवंटित करने की मांग की है।

## पाकिस्तान ने किया फतेह-4 मिसाइल के नए वर्जन का परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी फतेह-4 मिसाइल के नए वर्जन का परीक्षण किया है, जिसका व्यापक प्रचार उसकी सेना के मीडिया विंग द्वारा किया गया है। पाकिस्तानी दावों के अनुसार, यह मिसाइल पहले की तुलना में अधिक दूरी तक सटीक निशाना लगाने में सक्षम है और इसमें उन्नत एवियोनिक्स व नई नेविगेशन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। परीक्षण के बाद देश के शीर्ष नेतृत्व ने इस उपलब्धि की सराहना की है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह कवायद केवल घरेलू जनता का ध्यान भटकाने के लिए की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस

मिसाइल की तकनीक काफी हद तक बाहरी स्रोतों पर निर्भर है और आर्थिक बदहाली से जूझ रहे देश में इस तरह के रक्षा परीक्षणों पर भारी-भरकम खर्च करना आंतरिक प्राथमिकताओं के विपरीत है। दूसरी ओर, सामरिक विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय वायुसेना के पास मौजूद अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम, जैसे एस-400 ट्राइफं, के सामने इस प्रकार की करूज मिसाइलों की मारक क्षमता बेहद सीमित साबित हो सकती है। एस-400 का उन्नत रडार सिस्टम लंबी दूरी से ही किसी भी हवाई खतरे को ट्रैक करने और हवा में ही उसे नष्ट करने में सक्षम है।

**जापानी महिला की हत्या के बाद अमेरिकी सैनिकों पर सख्ती**

टोक्यो। जापान के ओकिनावा में एक महिला की हत्या के बाद अमेरिकी सैन्यकर्मियों के लिए सख्त नियम लागू किए गए हैं। हत्या के आरोप में एक अमेरिकी मरीन को गिरफ्तारी के बाद स्थानीय स्तर पर अमेरिकी सेना की मौजूदगी को लेकर नाराजगी फिर सामने आई। इसके बाद ओकिनावा में तैनात अमेरिकी सैन्यकर्मियों के लिए 48 घंटे का 'ऑपरेशनल पॉज' लागू किया गया है। इस दौरान सैनिकों को बेस से बाहर जाने और शराब पीने पर रोक रहेगी। मरीन एक्सपेंडिशनरी फोर्स और मरीन फोर्सेज जापान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बेंजामिन वॉटसन ने नए नियमों की घोषणा की।

## हसीना को लेकर बांग्लादेश के बदले सुर, सुलह की करने लगा बात

ढाका। बांग्लादेश ने पहली बार शेख हसीना की प्रतिबंधित आवामी लीग पार्टी के साथ सुलह की बात कही है। हालांकि, तारिक रहमान की सरकार ने इसके लिए कुछ शर्तें जरूर रखी हैं, लेकिन यह पहली बार है। जब बांग्लादेश की तरफ से ऐसा कोई बयान आया है। इससे पहले, बीते तीन दिनों तक बांग्लादेश शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर भारत को लगातार नसीहत देने में लगा था। बांग्लादेश की तरफ से अचानक इस तरह के बयान यह सवाल खड़े कर रहे हैं कि क्या बांग्लादेश सचमुच आवामी लीग के साथ सुलह को तैयार है, या इसके पीछे कोई बड़ी राजनीतिक चाल है? दरअसल, बांग्लादेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी, प्रधामंत्री के सूचना सलाहकार जाहिद उर रहमान ने मंगलवार को शेख हसीना को लेकर एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित आवामी लीग के साथ सुलह करना बुरी बात नहीं है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रहमान ने पत्रकारों से कहा, आवामी लीग के सक्रिय कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ सुलह की पहल करना बुरी बात नहीं है। बल्कि, अगर ऐसी पहल की जाती है तो यह अच्छा होगा। जाहिद ने आगे कहा कि मध्यस्थों को आवामी लीग से संपर्क करना चाहिए और सुलह की प्रक्रिया शुरू करने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत के जरिए बुनियादी आधार तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा, अगर यह सुनिश्चित हो जाता है तो इस मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है। हालांकि, उन्होंने एक शर्त भी रखी- पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पार्टी को ऐसी प्रक्रिया शुरू करने के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए आगे आना होगा। यह बयान इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि इससे ठीक तीन दिन पहले, बांग्लादेश शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग पर अड़ा हुआ था।

## सऊदी अरब में तैनात होंगे पाकिस्तान और तुर्की के सैनिक

सना,। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ आर-पार को लड़ाई का ऐलान हो चुका है। हूती और सऊदी समर्थित यमनी सेना के बीच छिड़ी इस जंग के बीच अब मक्का डिफेंस पैक्ट पूरी तरह सक्रिय हो गया है, जिसके तहत पाकिस्तान और तुर्की की सैन्य एंटी हो रही है। सऊदी अरब की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दोनों देश तेजी से अपने सैनिक तैनात करेंगे। यह कड़ा फैसला यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा लगातार बढ़ाए जा रहे हमलों और क्षेत्रीय तनाव के मद्देनजर लिया गया है। यह बड़ा रणनीतिक निर्णय सोमवार को रियाद में आयोजित एक उच्चस्तरीय आपात बैठक के बाद सामने आया। सऊदी अरब की राजधानी में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने हिस्सा लिया।

विचार-विमर्श के बाद तीनों देशों द्वारा जारी संयुक्त बयान में स्पष्ट किया गया कि सऊदी अरब की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ किसी भी खतरे या हमले को पूरी तरह से खारिज किया जाता है। सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धताओं को अब तुरंत जमीन पर उतारने की सहमति बनी है, जिसके तहत आवश्यक सैन्य बल और संसाधन तेजी से सऊदी अरब भेजे जाएंगे।

### सक्षिप्त समाचार

## जरूरत पड़ी तो दुश्मन की कार्रवाई से पहले करेंगे हमला : अकरमिनिया

तेहरान। ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमिनिया ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर ईरान दुश्मन के किसी भी हमले को रोकने के लिए पहले सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अकरमिनिया ने यह बात एक इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल पहले भी दुश्मन के खिलाफ ऐसी कार्रवाई कर चुके हैं। ईरान ने अपनी सैन्य रणनीति को रक्षात्मक से बदलकर आक्रामक कर दिया है। अमेरिका और इजरायल के साथ हुए युद्ध में इसी रणनीति पर काम किया गया। उन्होंने कहा कि नई रणनीति के तहत ईरानी सशस्त्र बलों ने कई सैन्य अभियान चलाए हैं। इनमें जुलाई के आखिर में जॉर्डन में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला भी शामिल है। इसके अलावा पिछले कुछ महीनों में इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र में मौजूद उन समूहों के ठिकानों पर कई मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिन्हें ईरान क्रांति विरोधी और अलगाववादी बताता है। अमेरिका की ओर से ईरान पर संभावित जमीनी हमले के सवाल पर अकरमिनिया ने कहा कि मेरा आकलन है कि अमेरिका जमीनी हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा। अमेरिका और इजराइल के साथ हुए युद्ध के बाद ईरानी सेना ने अपनी मिसाइलों की मारक क्षमता बढ़ाने पर काम करने का फैसला किया है। इस युद्ध में हम इस नतीजे पर पहुंचे कि हमें अपनी मिसाइलों की रेंज निश्चित तौर पर बढ़ानी होगी और अब हमने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसकी वजह यह है कि दुश्मन ने अपनी सेनाओं को ईरान के तटों से ज्यादा दूरी पर, करीब एक हजार किलोमीटर दूर तक तैनात किया है। इसलिए ईरान अपनी मिसाइलों को लगातार अपग्रेड करता रहेगा। अकरमिनिया ने कहा कि ईरान ने अपनी मिसाइलों की रफ्तार और सटीकता में भी काफी सुधार किया है। उन्होंने दावा किया कि आने वाली नई मिसाइलें पहले से ज्यादा तेज और सटीक होंगी।

## मक्का समझौते पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन अपने ही देश में घिरे

रियाद। सऊदी अरब के साथ हुए मक्का समझौते को लेकर तुर्की के राष्ट्रपति रसेप तैय्य एर्दोगन को घेरलू मोर्चे पर भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच पाकिस्तान ने समझौते का पालन करते हुए सऊदी अरब में अपने हजारों सैनिक और एयरफोर्स का एक स्क्वाड्रन तैनात कर दिया है। संसद की मंजूरी के बिना सैन्य क्षमता विदेश भेजने के मुद्दे पर विपक्ष ने रसेप तैय्य को घेरा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मक्का समझौता जिस पर 7 अगस्त को एर्दोगन, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए थे। 5 अक्टूबर को रियाद में हुई एक आपातकालीन बैठक के बाद इसे लागू करने की सहमति बनी, जिसके तुरंत बाद पाकिस्तान ने अपने सैनिक और एयरफोर्स सऊदी अरब भेज दिए। तुर्की में विपक्षी दल न्यू पार्टी के नेता ओजगुर ओजेल ने इस समझौते को अभी तक तुर्की को संसद यानी ग्रैंड नेशनल असेंबली में मंजूरी न मिलने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संसद से पूछे बिना ही सैनिकों को विदेश भेजने की दिशा में आगे बढ़ रही है। विपक्ष का मानना है कि पहले से ही युद्ध में शामिल किसी देश के साथ रक्षा समझौता तुर्की को भी उस संघर्ष का हिस्सा बना सकता है। ओजेल ने इस बात पर भी जोर दिया कि तुर्की की सेना को विदेश भेजने के लिए संसद की अनुमति अनिवार्य है, और उन्होंने करीब 100 साल बाद तुर्की के सैनिकों को फिर से यमन भेजे जाने की किसी भी कोशिश को अस्वीकार करने की बात कही। यह विवाद इस बात पर केंद्रित है कि विदेश में सैनिक भेजने का अधिकार पहले सरकार के पास होगा या संसद के पास।। नाटो सदस्यता के मामले में स्थिति अलग है क्योंकि तुर्की 1952 से इसका सदस्य है और वहां पहले से सहमति बनी हुई है, इसलिए वहां सवाल नहीं उठते। हालांकि, नाटो का आर्टिकल 5 भी स्वचालित कार्रवाई का मतलब नहीं है, बल्कि प्रत्येक सदस्य देश वही कार्रवाई करता है जो उसे आवश्यक लगे।

## उत्तर कोरिया ने मेडिकल मदद को अपमान और राजनीतिक उकसावा बताया

सोल। उत्तर कोरिया ने गुरुवार को सोल की ओर से मेडिकल सप्लाई खेप भेजने की योजना को अपमान और राजनीतिक उकसावा बताते हुु खारिज कर दिया। उत्तर कोरिया के नेता जोंग-उन की दबंग बहान किम यो-जोंग का बयान जारी हुआ है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने कहा था कि वह मानवीय चिकित्सा सहायता कार्यक्रम के तहत प्योंगयांग के एक अस्पताल में 166 कैटेगरी की 1,431 मेडिकल चीजें भेजने की योजना बना रहा है, जो जांच, सर्जरी और इलाज के लिए जरूरी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय ने मई में यूएन सुरक्षा परिषद की उत्तर कोरिया प्रतिबंध समिति से कुछ हट्ट हासिल की थी। किम ने इस कदम को शोर-शराबे वाली और भेदी हरकत और एक और नाटक बताते हुए खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश का अपमान है, हमारे खिलाफ राजनीतिक मकसद से किया गया उकसावा है और हमारे राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने पहले ही इसी खब्द, नाटक, का इस्तेमाल सोल के उस आधिकारिक निष्कर्ष को खारिज करने के लिए किया था जिसमें कहा गया था कि 21 सितंबर को हुए धमकों, जिनमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हुए थे, के पीछे उत्तर कोरियाई बारूदी सुरंगें थीं। उन्होंने कहा कि अब जब उनके घटिया नाटक से अच्छे बॉक्स-ऑफिस रिकॉर्ड की उम्मीद करना नामुमकिन है, तो उन्होंने मेडिकल उपकरण की मदद का सीना नाम से एक और नाटक रचा है, जो बारूदी सुरंग विस्फोट मामले का दूसरा भाग है। उन्होंने यह भी दोहराया कि प्योंगयांग का सोल के साथ जुड़ने का कोई इरादा नहीं है। दक्षिण कोरिया को उसके आधिकारिक नाम रिपब्लिक ऑफ कोरिया से संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पास उसके साथ आदान-प्रदान या साथ चलने के लिए कुछ भी नहीं है और न ही उसके आमने-सामने आने की कोई जरूरत है। खराब होते रिश्तों के बीच अंतर-कोरियाई संबंध और बातचीत के रास्ते तकरीबन खत्म हो चुके हैं, ऐसे में यह साफ नहीं था कि प्योंगयांग यह मदद स्वीकार करेगा भी या नहीं। इससे पहले दिन में, यूनिफिकेशन मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा कि योजना के मुताबिक सामान भेजने की संभावना कम है और सरकार संयुक्त राष्ट्र से समय-सीमा बढ़ाने की मांग करेगी।

## भविष्य के दलाई लामा का जन्म मुक्त दुनिया में होगा, हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं

ल्हामा। निर्वासित तिब्बती सरकार (सीटीए) के प्रमुख सिक्थोंग पेंपा त्सेरिंग ने दलाई लामा के पुनर्जन्म के लेकर चीन के साथ चल रहे विवाद पर कहा कि भविष्य के दलाई लामा का जन्म मुक्त दुनिया में होगा और उनके चयन की प्रक्रिया में चीन का कोई हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा। त्सेरिंग का यह बयान चीन की उस मंशा पर प्रहार है, जिसमें वह दलाई लामा के पुनर्जन्म की धार्मिक प्रक्रिया पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। पेंपा त्सेरिंग ने जोर देकर कहा कि अगले दलाई लामा का चयन पूरी तरह से धार्मिक परंपराओं, संकेतों, भविष्यवाणियों और वरिष्ठ लामाओं की भूमिका के आधार पर होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कि कि स्वयं दलाई लामा ने पिछले साल यह स्पष्ट किया था कि उनके निधन के बाद उनके पुनर्जन्म की खोज का जिम्मा दलाई लामाओं को सौंपा जाएगा। त्सेरिंग ने यह भी स्मरण कर दिया कि गान्देन लामा ने कई अवसरों पर यह संभावना भी जताई है कि अगली दलाई लामा एक महिला हो सकती है, जिससे लिंग भेद के पारंपरिक विचारों को भी चुनौती मिलती है। विवाद का मुख्य बिंदु चीन की इस प्रक्रिया में भूमिका की मांग है। चीन सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि अगले दलाई लामा की पहचान उसकी मंजूरी के बिना नहीं हो सकती। इस पर त्सेरिंग ने तीखा सवाल उठाया कि जो चीनी सरकार पुनर्जन्म जैसी धार्मिक अवधारणा को अस्वीकार करती है, वह उसी धार्मिक प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका कैसे निभा सकती है।



### बंद कमरे में पुलिस ने की पूछताछ

पेरिस,। फ्रांस की राजधानी पेरिस की विशेष आपराधिक अदालत में भारतीय नागरिक रोहन राणे (29) के खिलाफ नाबालिगों से जुड़े गंभीर आरोपों की सुनवाई सोमवार को शुरू हो गई है। रोहन पर आरोप है कि उन्होंने डिस्कॉर्ड पर सीवीएलटी नामक एक ऑनलाइन गिरोह चलाया, जो छोटी उम्र की लड़कियों को यौन गतिविधियों में शामिल होने और खुद को नुकसान पहुंचाने के लिए मजबूर करता था। अदालत ने इस मामले की पूरी सुनवाई बंद कमरे में करने का आदेश दिया है, ताकि पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह गिरोह मैसैजिंग

प्लेटफॉर्म डिस्कॉर्ड पर सक्रिय था और इसके सदस्य नव-नाजी, नकारात्मक और चरम विचार रखते थे। रोहन को इस नेटवर्क का प्रमुख बताया जा रहा है। आरोपों के मुताबिक, गिरोह ने मुख्य रूप से अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड और कुछ अन्य देशों की 12 से 18 साल की लड़कियों को निशाना बनाया। जांच का दावा है कि इन लड़कियों को ऑनलाइन फंसाया जाता था और फिर धमकी देकर यौन गतिविधियों में शामिल होने तथा खुद को नुकसान पहुंचाने के लिए मजबूर किया जाता था। इन घटनाओं के वीडियो भी बनाए और आपस में बांटे जाते थे। रोहन राणे पढ़ाई के लिए फ्रांस आए थे और उन्होंने दक्षिण-पूर्वी शहर एंटीबेस के एक विज्ञेस स्कूल में दाखिला लिया था।

# खेल/व्यापार

# शमी 11 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे, बंगाल ने टीम में शामिल किया



मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए दिखेंगे। शमी को 11 अक्टूबर से शुरू होने वाली रणजी ट्रॉफी प्रतियोगिता के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। यह शमी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की दावेदारी पेश करने का एक अच्छ अवसर है। इसमें अपने खेल से वह नई चयन समिति के प्रभावित कर सकते हैं। टीम इंडिया से बाहर रहने के दौरान शमी ने न केवल अपनी फिटनेस पर गहरायी से काम किया है, बल्कि अपनी धादार और दमदार गेंदबाजी से लगातार खुद को साबित भी किया है। हालांकि, भारतीय टीम के चयनकर्ताओं ने अक्सर उनकी फिटनेस को

लेकर चिंताएं व्यक्त की हैं और उन्हें राष्ट्रीय टीम से बाहर रखा। इसके बाद भी शमी ने हाल ही में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए खेलते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने अपनी गति और स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान किया और कई महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। मौजूदा हालातों को देखते हुए, शमी के लिए यह घरेलू टूर्नामेंट बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। हाल ही में 6 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया गया, जिसमें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद वापसी हुई। भुवनेश्वर ने भी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू क्रिकेट में लगातार अपना दम दिखाया था, और उनकी वापसी शमी के लिए एक प्रेरणा और उम्मीद की

किरण लेकर आई है। ऐसे में, मोहम्मद शमी के पास भी अब यह बेहतरीन मौका है कि वह नए चयन समिति को अपने प्रदर्शन से प्रभावित करें और एक बार फिर टीम इंडिया में अपनी जगह सुनिश्चित करें। हालांकि, शमी के लिए यह राह बिल्कुल भी आसान नहीं रहने वाली है। टीम इंडिया आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा और ऊर्जावान खिलाड़ियों का एक दल तैयार करने में जुटी है, जहां फिटनेस और निरंतरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में, मोहम्मद शमी को कुछ असाधारण प्रदर्शन करना होगा, कुछ ऐसा जो चयनकर्ताओं को उन्हें चुनने के लिए मजबूर कर दे। उन्हें न केवल लगातार विकेट लेने होंगे, बल्कि अपनी फिटनेस और गेंदबाजी की क्षमता का भी अविश्वसनीय प्रदर्शन करना होगा रणजी के लिए बंगाल की टीम—

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), सुदीप कुमार घागमी, सुदीप चटर्जी, अभिषेक पोरल, शाकिर हबीब गांधी, अंकुर पॉल, सुमंत गुप्ता, अंकित शुक्ला, शुभम चटर्जी, मोहम्मद शमी, आकाश दीप, मुकेश कुमार, सूरज सिंधु जायसवाल, प्रदीप प्रमाणिक, आमिर गनी, मोहम्मद कैफ, सौम्यदीप मंडल, करण लाल, अखिलेश यादव, गीत पुरी, अभिषेक कुमार रमन, शुभम सरकार, सुमित मोहंता और आदित्य पुरोहित।



**बाकू में विश्व सीनियर जूडो मुकाबले में चेक गणराज्य की रिनेटा जैकोवा अपनी विरोधी पर हावी होती हई।**

# आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में छाये भारतीय बल्लेबाज

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) की ताजा एकदिवसीय बल्लेज रैंकिंग में भारतीय टीम के बल्लेबाजों का दबदबा बना हुआ है। इसी के तहत ही शीर्ष 10 में से 4 भारतीय बल्लेबाज हैं। इसमें युवा शुभमन गिल अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए 841 रेंटिंग अंक के साथ नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन के अलावा पूर्व कप्तान विराट कोहली 800 से अधिक रेंटिंग अंकों के साथ ही तीसरे स्थान पर हैं। जबकि आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल लंबी छलांग लगाकर शीर्ष 10 में बने हुए हैं। यह उल्लेखनीय है कि शुभमन एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके रेंटिंग पॉइंट्स 800 के ऊपर हैं। ये बात उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है। वहीं न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 794 अंक लेकर दूसरे स्थान पर के साथ हैं। भारतीय बल्लेबाजों का यह दबदबा इसलिए भी ख़ास है क्योंकि न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड जैसे देशों से केवल एक-एक खिलाड़ी ही शीर्ष

10 में शामिल है, जो भारतीय बल्लेबाजी को गहराई और गुणवत्ता को दिखाता है। वहीं गेंदबाजों की शीर्ष दस सूची में भारत से केवल स्पिन जादूगर कुलदीप यादव ही 620 रेंटिंग अंकों के साथ छठे स्थान पर मौजूद हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 26वें और जसप्रीत बुमराह 27वें स्थान पर हैं, जो उनकी क्षमता के हिसाब से थोड़ा नीचे है। इसी तरह, ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी भारत से केवल हरफनमौला खिलाड़ी अक्षर पटेल ही 9वें स्थान पर आये हैं। इन व्यक्तिगत रैंकिंग के बावजूद, टीम रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है। 115 रेंटिंग पॉइंट्स के साथ भारतीय टीम शीर्ष स्थान पर बनी हुई है। ये उसकी ओवरऑल टीम शक्ति और निरंतरता का प्रतीक है। न्यूजीलैंड 109 अंकों के साथ दूसरे और दक्षिण अफ्रीका 106 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत का यह 6 पॉइंट्स का बड़ा अंतर एकदिवसीय क्रिकेट में उसकी मजबूत स्थिति और हालिया शानदार प्रदर्शन को स्पष्ट रूप से दिखाता है।

## व्यापार समाचार

### संक्षिप्त समाचार

## डीओटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस का स्पेक्ट्रम किया रद्द

नई दिल्ली। अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) को दूरसंचार विभाग (डीओटी) से एक बड़ा झटका लगा है। डीओटी ने उन्हें आवंटित स्पेक्ट्रम को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद आरकॉम अब इन स्पेक्ट्रम का उपयोग करके टेलीकॉम सेवाएं नहीं चला पाएगी, जिससे कंपनी के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। डीओटी ने आरकॉम को 5 अक्टूबर, 2026 को पत्र भेजकर 2010 से 2016 के बीच हुई विभिन्न स्पेक्ट्रम नीलामियों के तहत दिए गए स्पेक्ट्रम को खत्म करने की जानकारी दी। विभाग के अनुसार, रिलायंस कम्युनिकेशंस ने स्पेक्ट्रम से जुड़ी अनिवार्य शर्तों का पालन नहीं किया, जिनमें नेटवर्क शुरू करने की रोलआउट शर्त और स्पेक्ट्रम के लिए तय भुगतान शामिल हैं। कंपनी ने स्पेक्ट्रम की किस्तों, स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज (एसयूसी) और अन्य बकाया रकम का भुगतान नहीं किया था, खासकर 2010 की नीलामी के स्पेक्ट्रम के मामले में रोलआउट की शर्तें भी पूरी नहीं की गई थीं। अपनी सफाई में, आरकॉम ने दिवाला प्रक्रिया (सीआईआरपी) और दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत मिली सुरक्षा का हवाला दिया था, जिसे डीओटी ने अस्वीकार कर दिया। डीओटी की यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के 13 फरवरी, 2026 के फैसले और 7 अगस्त, 2026 को आरकॉम की समीक्षा याचिका खारिज होने के बाद हुई है। डीओटी ने आरकॉम और आरटीएल को तत्काल प्रभाव से उन स्पेक्ट्रम पर आधारित सभी वायरलेस नेटवर्क और सेवाओं का उपयोग बंद करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय आरकॉम की वित्तीय और कारोबारी स्थिति पर गहरा प्रभाव डालेगा, खासकर ऐसे समय में जब कंपनी दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। कंपनी की प्रस्तावित समाधान योजना में स्पेक्ट्रम को संपत्ति के तौर पर बेचने की योजना थी, जो अब एनसीएलटी, मुंबई के समक्ष विचाराधीन है। इस फैसले से उस योजना को भी बड़ा झटका लगा है।

## अमेज़न ने फिर की कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेज़न ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी की है, जिसका असर भारत, अमेरिका और ब्रिटेन में भी देखने को मिला है। कंपनी ने अपने रिटेल बिजनेस से जुड़े 1000 से कम व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह छंटनी तब हुई, जब कंपनी का बड़ा शॉपिंग इवेंट प्राइम बिग डील चल रहा था। अमेज़न ने अपने परिचालन को सुव्यवस्थित करने और बेहतर तरीके से काम करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। अमेज़न के अनुसार कंपनी ने अपने रिटेल बिजनेस के कुछ हिस्सों में बदलाव किया है ताकि वह ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर सके। इन बदलावों का मतलब है कि कंपनी अपने काम करने के तरीके और टीम संरचना को फिर से व्यवस्थित कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस छंटनी में रिटेल डिवीजन के अलग-अलग हिस्से प्रभावित हुए हैं, जिनमें कस्टमर सर्विस और सेलिंग पार्टनर सर्विसेज जैसे विभाग भी शामिल हैं। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया है कि किस देश में कितने कर्मचारियों की नौकरी गई है, लेकिन भारत में भी कर्मचारी इस छंटनी से प्रभावित हुए हैं। यह पहली बार नहीं है जब अमेज़न में बड़ी छंटनी हुई है। कंपनी इससे पहले भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को निकाल चुकी है। पिछले साल शुरू हुई एक बड़ी छंटनी में करीब 30,000 नौकरियां खत्म की गई थीं। अमेज़न के फाउंडर और एजीक्यूटिव चेरमैन जेफ बेजोस ने भी हाल ही में कंपनी की छंटनी को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन शॉपिंग की मांग तेजी से बढ़ने के कारण कंपनी ने बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी पर रखा था, और अब कंपनी उसी बड़े हुए वर्कफोर्स को मौजूदा जरूरतों के हिसाब से समायोजित कर रही है। फिलहाल अमेज़न ने आगे और कितनी छंटनी होगी, इसे लेकर कोई नया आंकड़ा नहीं दिया है।

# म्युचुअल फंड बाजार में निवेशकों के लिए जल्द आ सकती हैं चार नई स्कीमें

### फंड हाउसों ने स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंपे

नई दिल्ली (ईएमएन)। लॉन टर्म निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड बाजार से अच्छी खबर है। जल्द ही चार नई म्युचुअल फंड योजनाएं बाजार में दस्तक दे सकती हैं। विभिन्न फंड हाउसों ने इन स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए हैं, जिनकी मंजूरी का इंतजार है। ये स्कीम्स निवेशकों को लार्ज–मिड कैप इंडिटी, पीएसयू बैंक, हेल्थकेयर और एसेट एलोकैटर जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश का मौका देंगी। इन प्रस्तावित योजनाओं में चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड, मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक इंडीएफ, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकैटर



लॉन शॉर्ट फंड और यूटीआई निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड शामिल हैं। हालांकि, अभी इनमें निवेश शुरू नहीं हुआ है और सेबी की मंजूरी तथा शर्तों में बदलाव की संभावना

बनी हुई है। इन फंड्स में न्यूनतम निवेश राशि अलग-अलग है। चॉइस म्युचुअल फंड में न्यूनतम 1,000 रुपए एकमुश्त या 250/500 रुपए एसआईपी से निवेश शुरू हो सकेगा।

# जीएसटी काउंसिल की बैठक में करदाताओं को राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की बैठक में करदाताओं के लिए जीएसटी प्रणाली को सरल और सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में कर दरों में बड़े बदलाव की संभावना कम है, बल्कि प्रशासनिक बोझ को कम करने, कागजी कार्रवाई घटाने और रिफंड व इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी जटिलताओं को दूर करने के प्रस्तावों पर चर्चा होगी। नौ महनों के विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए ये प्रस्ताव जीएसटी को तकनीक आधारित और अधिक कुशल बनाने की दिशा में अहम हैं, जिसे पीडब्ल्यूसी इंडिया के प्रशांत अग्रवाल जीएसटी 2.0 का दूसरा चरण मान रहे हैं। बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों पर मुहर लग सकती है। आपराधिक मुकदमा शुरू करने की सीमा 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, जिससे छोटे करदाताओं को बड़ी राहत

मिलेगी। साथ ही, जीएसटी अधिकारियों के सीधे गिरफ्तारी के अधिकार को हटाने और इसके लिए न्यायिक अनुमति को अनिवार्य बनाने पर भी विचार हो सकता है, जिससे ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यह 98-99 फीसदी ईमानदार करदाताओं पर से गैर-जरूरी सख्ती का बोझ कम करेगा। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी कई महत्वपूर्ण राहतें भी प्रस्तावित हैं, जिनमें सप्लायर की गलती पर ईमानदार खरीदारों को सुरक्षा देना और कुछ कारोबारी खर्चों (जैसे मोटर वाहन, समूह बीमा) पर आईटीसी की सुविधा बढ़ाना शामिल है। इसके अलावा, रिफंड प्रक्रिया को तकनीक के माध्यम से तेज करने पर भी जोर दिया जाएगा, जिससे खासकर निर्यातकों को उनकी पूंजी जल्द वापस मिल सके।



**उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ, लखनऊ में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित सेवा ज्योति यात्रा-विकसित भारत संकल्प सभा काई म में भाग लेते हुए।**

# संजू सैमसन विफल होने से असुरक्षित महसूस कर रहे : हनुमा

### वैभव के बेंच में बैठे होने से भी उनपर पड़ रहा दबाव

नई दिल्ली। भारतीय टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे टेस्ट बल्लेबाज हनुमा विहारी ने कहा है कि लगातार रन बनाने में विफल रहने से संजू सैमसन पर दबाव आया है। हनुमा के अनुसार सैमसन लगातार असफल हो रहे हैं और जब वह बेंच पर वैभव सूर्यवंशी जैसे उभरते खिलाड़ी को देखते हैं तो उनपर ये दबाव और बढ़ जाता है। गौरतलब है कि पिछले 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से सैमसन ने केवल दो अर्धशतक लगाए हैं, जो उनकी क्षमता से काफी कम है। हनुमा ने कहा, सबसे बड़ा सवाल है कि सैमसन को कितने और अवसर मिल सकते हैं? मैं उसका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और मैं चाहूंगा कि वह खेले पर मुझे लगता है कि वह अभी असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने याद दिलाया

कि सैमसन ने पहले भी कहा है कि जब उनके पीछे प्रतिस्पर्धा का दबाव होता है, तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। विहारी ने ईशान किशन की न्यूजीलैंड सीरीज में वापसी का उदाहरण भी दिया, जब सैमसन रन नहीं नहीं कर पाए थे। अब वैभव सूर्यवंशी के मौजूद होने से वह निश्चित रूप से वह दबाव महसूस कर रहे होंगे। हनुमा ने क्रिकेट में दबाव के महत्व पर जोर देते हुए कहा, दबाव बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। ज्यादातर लोग इसे नहीं समझते।

जो खेले हैं वे जानते हैं, लेकिन जो नहीं खेले हैं वे इसे नहीं समझते। इसीलिए, क्रिकेट में, खासकर भारत के लिए खेलते समय, आपको दबाव का सामना करना आना चाहिए। अब रांची में होने वाले दूसरे मुकाबले में संजू सैमसन पर एक बार फिर से रन बनाने का दबाव होगा।

## दूसरे टी20 में सैमसन की जगह पर वैभव को मिल सकता है अवसर

रांची। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रांची में शुक्रवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन की खराब फॉर्म से प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ऐसे में ये भी हो सकता है कि इस मैच में है। में टीम प्रबंधन युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत के लिए शामिल करे। सैमसन पिछली चार टी20 पारियों में केवल 29 रन ही बना पाये हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 11 रहा है। उनकी यह विफलता न केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन पर सवाल उठा रही है, बल्कि टीम को एक ठोस और तेज शुरुआत दिलाने में भी विफल रही है। सैमसन को इस खराब लय को देखते हुए प्रबंधन वैभव को उतार सकता है। गौरतलब है कि जापान में हुए एशियाई खेलों में सैमसन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का अवसर मिला था, जबकि वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा ने पारी की शुरुआत की थी। वैभव ने अब तक मिले सीमित अवसरों पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अभी उनको अनुभव की जरूरत है। बल्लेबाजी के अलावा, भारतीय टीम अपनी तेज गेंदबाजी संयोजन में भी कुछ बदलाव कर सकती है, खासकर पहले मैच में महंगे साबित हुए मयंक यादव के प्रदर्शन के बाद। टीम प्रबंधन ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को नई गेंद से गेंदबाजी करवाने पर विचार कर सकता है, हालांकि एकदिवसीय सीरीज में यह प्रयोग बहुत सफल नहीं रहा था। स्पिन विभाग में कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने पहले मैच में दो-दो विकेट लेकर अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। वहीं, युवा ऑलराउंडर नमन धीर ने भी अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 31 रन देकर तीन विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया है और अपनी जगह मजबूत की है। वहीं दूसरी ओर, सीरीज में वापसी के लिए वेस्टइंडीज को और बेहतर खेलना होगा।

## धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा

कोलंबो। श्रीलंका के कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धनंजय ने कहा हैं कि अब युवाओं के कप्तान संभालने का समय आ गया है। वह पिछले 33 महीने से कप्तान थे। उनके अनुसार अब नेतृत्व की बागडोर अगली पीढ़ी को संभालनी चाहिये। हालांकि, डिसिल्वा ने साफ कहा है कि वह एक खिलाड़ी के रूप में टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। गौरतलब है कि धनंजय डिसिल्वा को दिमुथ करुणारत्ने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। अपने कार्यकाल में, उन्होंने कुल 18 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तान संभाली थी। उनके नेतृत्व में श्रीलंका ने 7 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की, जो टीम के लिए मिली-जुली सफलता को दिखाता है। यह एक ऐसा दौर था जहाँ टीम ने कुछ यादगार जीत हासिल कीं पर उसमें निरंतरता की कमी भी देखी गई, खासकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के मौजूदा चक्र में। गौरतलब है कि कप्तान के रूप में, धनंजय डिसिल्वा का निजी तौर पर प्रदर्शन भी बेहतरीन रहा है। उन्होंने अपनी कप्तानी के दौरान 26.45 की औसत से 1130 रन बनाए, जो एक ऑलराउंडर के तौर पर उनकी बल्लेबाजी क्षमता को दिखाता है। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से 9 विकेट भी हासिल किए, जिससे टीम को अक्सर महत्वपूर्ण मौकों पर सफलता मिली। श्रीलंका क्रिकेट के सीईओ एश्ले डिसिल्वा ने धनंजय के कप्तानी के दौरान किए गए योगदान के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद किया और उनके आगे के क्रिकेट करियर के लिए शुभकामनाएं दीं। धनंजय की कप्तानी का अंतिम पड़ाव भारत के खिलाफ एक घरेलू टेस्ट सीरीज थी, जो हाल ही में संपन्न हुई। इस सीरीज में श्रीलंका को पहले टेस्ट में भारत के हाथों बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, दूसरे टेस्ट में युवा सोनल दिनुशा के शानदार दो शतकों की बढौलत टीम एक सम्मानजनक ड्रा हासिल करने में सफल रही, जिससे भारत की सीरीज में क्लीन स्वीप करने से रोका जा सका। यह प्रदर्शन धनंजय की कप्तानी में टीम के संघर्ष और जुझारूपन का प्रतीक था।

# महाराष्ट्र में अब इलेक्ट्रिक हॉंगी बाइक टैक्सी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में संचालित सभी बाइक टैक्सी कंपनियों, जैसे ओला, उबर और रैपिडो, को एक बड़ा निर्देश दिया है। उन्हें आले 9 महनों के भीतर अपने पूरे बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के बाद महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने आरटीओ और कंपनियों को इस नियम को लागू करने के लिए कहा है। यह कदम राज्य में प्रदूषण कम करने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस नियम के तहत वर्तमान में पेट्रोल से चलने वाली बाइक का उपयोग कर रही कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों पर शिफ्ट होने के लिए 6 महीने का समय मिलेगा।

वहीं, यूटीआई निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड में 1,000 रुपए एकमुश्त और मासिक एसआईपी के लिए 500 रुपए का निवेश करना होगा। मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक इटीएफ को स्टॉक की तरह एक्सचेंज पर खरीदा या बेचा जाएगा, जिसकी कोई तय न्यूनतम आवेदन राशि नहीं है। दूसरी ओर, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकैटर लॉन शॉर्ट फंड में सामान्य निवेशकों के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपए का निवेश अनिवार्य है, जिसमें एसआईपी के तहत भी कुल निवेश 10 लाख रुपए होना जरूरी होगा। इन स्कीम्स की निवेश रणनीतियां भी भिन्न हैं। मोतीलाल ओसवाल और यूटीआई के इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से क्रमशः निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर सूचकांकों में शामिल शेयरों को ट्रैक करेंगे। चॉइस लार्ज

## सोना 586 रुपए चढ़ा, चांदी भी 245 रुपए उछली

नई दिल्ली। फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना से बीते कुछ दिनों से सोने-चांदी के दाम लगातार गिर रहे थे। ऐसे अब निचले स्तर पर खरीदारी से गुरुवार को सोने चांदी की कीमतों में सुधार देखने को मिला। घरेलू बाजार एमसीएसएस पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1,49,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,23,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमाक दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 586 रुपये की तेजी के साथ 1,49,689 रुपये के भाव पर खबर लिखे जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कामेक्स पर सोना 4,139.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

# आरबीआई की सख्ती: डेट फंड और एफडी में अब स्मार्ट निवेश की दरकार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रीपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया है। यह फरवरी 2023 के बाद पहली वृद्धि है। केंद्रीय बैंक ने अपने मौद्रिक नीति के रुख को न्यूट्रल से बदलकर कैलिब्रेटेड टाइटनिंग यानी चरणबद्ध सख्ती कर दिया है, जो भविष्य में दरों में और वृद्धि के संकेत देता है। इस फैसले के बाद डेट म्युचुअल फंड और फिक्सड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन अब अवधि का चुनाव महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञ मौजूदा माहौल में शॉर्ट और मीडियम ड्यूरेशन फंड को अधिक आकर्षक मान रहे हैं, क्योंकि दरों में वृद्धि का लंबी अवधि के बॉन्ड पर अधिक नकारात्मक असर होता है। निवेशकों को

फिलहाल 1 से 3 साल के अच्छी गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड और छोटी अवधि के मनी मार्केट फंड पर ध्यान देना चाहिए, जो 7.75 फीसदी से 8.25 फीसदी तक की आकर्षक यील्ड दे सकते हैं। आरबीआई द्वारा भविष्य में दरों में 50 से 75 बेसिस प्वाइंट की और बढ़ोतरी की संभावना है, इसलिए लंबी अवधि के बॉन्ड में तुरंत पैसा लगाने से बचना बेहतर होगा। एफडी दरों में बढ़ोतरी धीरे-धीरे होगी। अतः, पूरी रकम एक साथ लगाने के बजाय, निवेश को अलग-अलग समय में बांटना समझदारी है। निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता और निवेश अवधि को देखते हुए, विभिन्न मैच्योरिटी और जायिकता में निवेश फैलाना और क्रेडिट क्वालिटी को प्राथमिकता देना चाहिए।

# न्यू मार्केट में सिलेंडर ब्लास्ट के बाद भड़की भीषण आग, पांच दुकानें आई चपेट में

**आग से लोगों में मचा हड़कंप,दमकल विभाग की टीम ने तीन घंटे में काबू की आग पाया**

भोपाल। भोपाल के न्यू मार्केट में गुरुवार दोपहर एक दुकान में सिलेंडर ब्लास्ट के बाद लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। बालाजी छोले-भटूरे की दुकान से शुरू हुई आग की लपटें करीब 25 फीट तक उठती दिखाई दीं। आग की चपेट में आसपास की 5-6 दुकानें और 10-12 रेहड़ियां आ गई। घटना के समय बाजार में करीब 50-60 लोग मौजूद थे। आग से बचने के प्रयास में पहली मंजिल से तीन लोगों ने नीचे छलांग लगा दी, जिससे उन्हें चोट आई हैं। आग की चपेट में आग्रपाली रेस्टोरेंट के संचालक पवन अग्रवाल भी आए। बताया गया कि आग तेजी से फैलने के बाद अग्रवाल और उनके साथियों ने पहली मंजिल से नीचे कूदकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद न्यू मार्केट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या



में लोग मौके पर जमा हो गए। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि उसे नियंत्रित करने में दमकलकर्मियों को करीब तीन घंटे तक मशक़त करनी पड़ी। 15 से अधिक फायर ब्रिगेड वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान आग प्रभावित दुकान की दीवार भी तोड़नी

पड़ी। आग की शुरुआत बालाजी छोले-भटूरे की दुकान से हुई और इसके बाद आसपास की दुकानों तक फैल गई। इसकी चपेट में रही थी कि उसे नियंत्रित करने में दमकलकर्मियों को करीब तीन घंटे तक मशक़त करनी पड़ी। 15 से अधिक फायर ब्रिगेड वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान आग प्रभावित दुकान की दीवार भी तोड़नी

हुए दुकानों में बड़ी मात्रा में नया स्टॉक रखा गया था। आग में यह सामान जलकर नष्ट हो गया। व्यापारियों ने नुकसान काफी अधिक होने की बात कही है। चार मंजिला बर्तन की दुकान भी आग की चपेट में आने से बड़ा नुकसान हुआ है। संदीप गारमेंट्स के संचालक संजय कुमार जैन के अनुसार सबसे पहले बालाजी छोले-भटूरे की दुकान की भट्टी में आग लगी थी। उन्होंने नगर निगम को सूचना देकर दमकल वाहन बुलाने की कोशिश की। संजय कुमार जैन का दावा है कि दमकल वाहन करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंचा। तब तक आग आसपास की दुकानों तक फैल चुकी थी। उनके मुताबिक एक दुकान में करीब 75 कुर्ता-पायजामा की दुकान, मोबाइल शॉप, चार मंजिला बर्तन की दुकान और रेडीमेड कपड़ों की दुकान भी आ गई। इसके अलावा बाजार में लगी 10-12 रेहड़ियां भी आग में जल गई। प्रभावित व्यापारियों के मुताबिक, दिवाली के त्योहार को देखते

# संपत्तियों की मुफ्त रजिस्ट्री से दूरी बनाने वाले पटवारियों पर सरकार का एक्शन



**प्रदेश में 48 पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई,27 किये बर्खास्त, 21 हुए सरयोंड**

भोपाल। मध्यप्रदेश में 50 लाख संपत्तियों की मुफ्त रजिस्ट्री की तैयारी के बीच स्वामित्व योजना में पटवारियों की भूमिका को लेकर विवाद बढ़ गया है। पटवारियों के निष्पादक (एग्जीक्यूटर) की भूमिका में साइन नहीं करने के फैसले के बाद प्रदेश में 48 पटवारियों पर कार्रवाई हुई है। इनमें 27 बर्खास्त और 21 निलंबित किए गए हैं। सबसे बड़ी कार्रवाई रीवा में हुई,जहां गुरुवार को 15 पटवारियों को एक साथ निलंबित किया गया। कार्रवाई के विरोध में प्रभावित जिलों में पटवारियों ने राजस्व काम का शटडाउन रखा है। देवास में पटवारी बुधवार

देर रात तक कलेक्टर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते रहे। वहीं पटवारियों का विरोध और जिलों में कार्रवाई का मामला मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव तक पहुंच गया है। विरोध के बीच गुरुवार को प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय में पटवारी संघ के प्रतिनिधिमंडल की बैठक हुई, लेकिन इसमें कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका। जानकारी के अनुसार पटवारी प्रतिनिधिमंडल की डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के साथ वल्लभ भवन में होने वाली बैठक भी टल गई। डिप्टी सीएम की व्यस्तता के चलते बैठक नहीं हो सकी। ऐसे में पटवारियों की मांग और उन पर हुई कार्रवाई को लेकर कोई निर्णय नहीं हुआ है। पटवारी संघ का कहना है कि जब तक उन्हें निष्पादक की भूमिका से हटया नहीं

# भोपाल में 18 दिन से जारी शिक्षक अभ्यर्थियों की भूख हड़ताल हुई खत्म



**कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नारियल पानी पिलाकर कराया अनशन समाप्त**

भोपाल। शिक्षक भर्ती वर्ग-2 और वर्ग-3 में पद बढ़ाने की मांग को लेकर राजधानी भोपाल के डीपीआई कार्यालय के बाहर 18 दिन से चल रही अभ्यर्थियों की भूख हड़ताल गुरुवार को खत्म हो गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उन्हें नारियल पानी पिलाकर अनशन समाप्त कराया। जीतू पटवारी ने कहा कि अभ्यर्थी रोजगार और अपने अधिकार की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। 18 दिन बीतने के बावजूद सरकार की ओर से अपेक्षित पहल नहीं होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि

आंदोलन कर रहे युवाओं की सेहत और जीवन सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा,सरकार से लड़ने के लिए जीवित रहना जरूरी है। जीतू पटवारी ने कहा कि आंदोलन को 18 दिन हो चुके थे और उनकी जिम्मेदारी थी कि वे अभ्यर्थियों से बात कर अनशन खत्म कराएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएंगे। उन्होंने सरकार से शिक्षक अभ्यर्थियों की मांग पर संवेदनशीलता के साथ विचार कर न्यायसंगत निर्णय लेने की अपील की। पटवारी ने दावा किया कि प्रदेश में शिक्षकों के बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक पदों में वृद्धि से भर्ती के इंतजार कर रहे युवाओं को अवसर मिल सकता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए कर्ज ले रही है तो शिक्षकों के पद बढ़ाने के लिए भी अतिरिक्त संसाधन जुटाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल बजट का हवाला देने के बजाय रोजगार से जुड़े इस मुद्दे पर व्यापक दृष्टिकोण के साथ निर्णय लेना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ खड़ी है और उनकी मांग को विधानसभा सहित उचित मंचों पर उठाया जाएगा।

# राजधानी भोपाल में मुख्य चुनाव आयुक्त के रिवलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

**राहुल और प्रियंका गांधी को हिरासत में लेने के विरोध में निकाला पैदल मार्च**

भोपाल। दिल्ली में निर्वाचन आयोग से जवाब मांगने के लिए प्रदर्शन कर रहे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और ईंडिया गठबंधन के सांसदों को रोके जाने और हिरासत में लिए जाने के विरोध में मध्य प्रदेश कांग्रेस ने गुरुवार को प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। भोपाल में कांग्रेस ने 'वोट बचाओ, देश बचाओ' पैदल मार्च निकाला,जबकि इंदौर, इटारसी, सागर समेत कई शहरों में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन, नारेबाजी और पुतला दहन किया। कांग्रेस ने मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवालों पर निर्वाचन आयोग से जवाब देने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। भोपाल में पैदल मार्च व्यापम



चौराहे से शुरू होकर बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा तक पहुंचा। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र,संविधान और मताधिकार की रक्षा का संकल्प लेते हुए

# भोपाल मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में बाधक 10 दुकानें और 12 गुमठियां हटाई

**निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते की पुरानी विधानसभा के सामने कार्रवाई**

भोपाल। राजधानी भोपाल में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य में बाधक अतिक्रमणों के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई की। निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने पुरानी विधानसभा क्षेत्र से 10 दुकानें और 12 गुमठियां हटाई। इस दौरान ठेले, टेबल, कुर्सियां, स्टूल और पन्नी समेत अन्य सामान भी जब्त किया गया। नगर निगम के अनुसार, शहर में अतिक्रमण के खिलाफ नियमित कार्रवाई के साथ सीएम हेल्पलाइन, महापीर हेल्पलाइन और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का भी निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को निगम के विभिन्न दलों ने शहर के कई हिस्सों में कार्रवाई की। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने बैरागढ़,चिरायु अस्पताल,चंचल चौराहा,मिनी मार्केट,मल्टीलेवल पार्किंग, सीटीओ, गांधीनगर बस स्टैंड, संजय नगर,शाहजहानाबाद,हमीदिया रोड,रॉयल मार्केट,भोपाल टॉकीज,डीआईजी बंगला,पुरानी सब्जी मंडी, बरखेड़ी, जहांगीराबाद, कालीजी मंदिर,अशोका गार्डन,परिहार चौराहा,रेतघाट,रविंद्र भवन, मिंटो हॉल, न्यू मार्केट सबवे, लिंक रोड नंबर-1,2 और 3,जवाहर

चौक,1100 क्वार्टर, बिट्टन मार्केट,एमपी नगर जोन-1 व 2 और एम्स अस्पताल सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई की। निगम की टीम ने बैरागढ़ सीटीओ क्षेत्र में सड़क और सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से लगाई गई मछली की दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की। दुकानदारों द्वारा बनाए गए अवैध छपरो को भी हटया गया। वहीं अशोका गार्डन टंकी चौराहा क्षेत्र में अवैध रूप से बनाए गए दो चबूतरों को हटया गया। एमपी नगर जोन-1 और जोन-2 में आवागमन में बाधक वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। निगम अमले ने रास्ते में बाधा बन रहे 12 दोपहिया और पांच चारपहिया वाहनों को हटवाया। अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अवैध रूप से लगाए गए ठेले, गुमठियां, अस्थायी छप्पर, चबूतरे, नालियों पर रखी फर्शियां और फुटपाथ पर लगी दुकानों को हटवाया। दुकानों के बाहर रखा सामान भी हटवाया गया। इनमें सब्जी, कपड़े और मछली की दुकानें शामिल थीं। कार्रवाई के दौरान निगम अमले ने 15 ठेले, 10 टेबल, 21 कुर्सियां,नौ स्टूल और लूच पन्नी समेत अन्य सामग्री जब्त की। निगम अधिकारियों के अनुसार, सार्वजनिक आवागमन में बाधा बनने वाले अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

# केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर आया नन्हा मेहमान

**शिवराज सिंह बने दादा,बेटे कुणाल की पत्नी रिद्धि ने दिया बेटे को जन्म**

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के परिवार में खुशियों का आगमन हुआ है। उनके घर एक बार फिर किलकारी गुंजी है। उनके छोटे बेटे कुणाल और बहू रिद्धि माता-पिता बने हैं। कुणाल की पत्नी रिद्धि ने एक बेटे को जन्म दिया है, जिसका नाम 'अहान' रखा है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की है। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अस्पताल में उन्हें एक नर्स पोते को सौंपते हुए दिखाई दे रही है। इसके साथ ही उन्होंने खुशी साझा करते हुए लिखा-आज हमारे जीवन में फिर एक बार सौभाग्य का सूर्योदय हुआ है। बेटे के रूप में अहान उनके घर अपार खुशियां लेकर आया है। उन्होंने कहा कि कुणाल और रिद्धि माता-पिता बने हैं। मुझे और साधना को फिर से दादा-दादी बनने का सौभाग्य मिला है। कार्तिकेय-अमानत बड़े पापा-बड़ी मम्मी बन गए हैं और

हमारी लाड़ली इला का भाई हमारे घर खुशियां लेकर आया है। बेटे अहान की नन्हीं-सी किलकारी ने पूरे घर को आनंद और प्रेम से भर दिया है। यह हमारे लिए ईश्वर का अनमोल आशीर्ष है। संदीप जैन और स्वाति जैन को भी नाना-नानी बनने की बहुत-बहुत बधाई। केंद्रीय शिवराज सिंह के छोटे बेटे कुणाल की शादी 14 फरवरी 2025 को भोपाल में हुई थी। शादी समारोह में तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई बड़े नेता शामिल हुए थे। दोनों की सगाति 23 मई, 2024 को हुई थी। अब रिद्धि ने बेटे को जन्म दिया है। इस दौरान पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान के घर इस साल दूसरी बार नन्हें मेहमान की किलकारी कूजी है। इससे पहले उनके बड़े बेटे कार्तिकेय की पत्नी अमानत ने 21 जनवरी, 2026 को बेटी को जन्म दिया था। दिल्ली के अस्पताल में जन्म देने के बाद बेटी का नाम इला रखा गया। पोती इला के जन्म के बाद चौहान परिवार में इस साल दूसरी बार किलकारी गुंजी है।

## निगम अमले ने सड़कों आदि पर स्वतंत्र विचरण करने वाले 28 पशुओं को कांजी हाउस व 04 पशुओं को आसरा भेजा

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपथों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में भेजने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के



नर्मदापुरम रोड, मिसरोद 11 मील, रतनपुर, रापड़िया विजय मार्केट बरखेड़ा, सेमरा, गोविंदपुरा, मिनाल अयोध्या बायपास, भानपुर खेजड़ा, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, बरखे चौराहा, जेल रोड, नयापुरा, आशाराम चौराहा, बैरागढ़, भौरी, नीलबड़, रातीबड़ साक्षी ढाबा, चूना भट्टी, कोलार रोड मयर टेरेसा, रचना नगर आदि क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को पकड़ने के सघन अभियान के तहत कार्यवाही कर रहे हुए 28 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में एवं बीमार/चायल 04 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय भेजने की कार्यवाही की जबकि निगम को हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हांककर

है। इसी तारतम्य में निगम के गौवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले 28 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में एवं बीमार/चायल 04 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय भेजने की कार्यवाही की जबकि निगम की हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हांककर हटवाया। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने शहर के लिंक रोड नं. 01, बिड़ला मंदिर, वल्लभ भवन, मिंटो हॉल,

## गिरिबाला सिंह की जमानत टली,14 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

भोपाल। बहुचर्चित दिवशा शर्मा मौत के मामले में पूर्व जज गिरिबाला सिंह की जमानत पर गुरुवार को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की सिंगल बेंच के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह को ओर से दलील दी गई कि मामले की जांच 90 दिन से अधिक समय से लंबित है। बचाव पक्ष ने संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए शीघ्र जमानत दिए जाने की मांग की। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने बचाव पक्ष के उस दावे का विरोध किया, जिसमें दहेज हत्या से संबंधित धारा 80(2) हटाए जाने की बात कही गई थी। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि जांच के दौरान मामले में आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित धारा 108 जोड़ी गई है। सीबीआई ने यह भी बताया कि मोबाइल डाटा और सीसीटीवी के डीवीआर की रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। जांच फिलहाल जारी है और इन रिपोर्टों के आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने गिरिबाला सिंह के जमानत आवेदन में फिलहाल केवल धारा 108 जोड़े जाने वाले हिस्से को रिकार्ड पर लिया। वहीं जमानत आवेदन और दिवशा शर्मा के पिता की ओर से प्रस्तुत आपत्ति आवेदन में आवश्यक संशोधन के लिए दोनों पक्षों को दो दिन का समय दिया गया है। अब मामले की अगली सुनवाई बुधवार, 14 अक्टूबर को दोपहर 2.30 बजे होगी।